ikB&15

दानापुर से गौरा तक

यश और आयुष अपने माता–पिता के साथ दानापुर में रहते हैं। उन्होंने गर्मी की छुट्टियों में अपने गाँव गौरा जाने का कार्यक्रम बनाया। यह गाँव लक्खीसराय जिले में है।

सुबह के 05:30 बजे ही उनके घर पर ऑटो–रिक्शेवाला आ गया। सभी लोग उस पर सवार होकर पटना जंक्शन आ गये। 07:00 बजे तूफान एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म पर लग गई। वे उस पर सवार हो गये। सुबह लगभग 09:30 बजे गाड़ी लक्खीसराय पहुँची।

वहाँ से उनके गाँव की ओर रेलवे–लाइन नहीं थी। वे लोग लक्खीसराय उतरे और गाँव जाने वाली बस पर चढ़े। बस में बहुत भीड़ थी। बस स्टैण्ड पर यश के चाचा–चाची उन्हें लेने आये हुए थे। सभी लोग टमटम पर सवार होकर घर तक पहुँचे।

दादा–दादी को देखते ही बच्चे उनसे लिपट गये। आयुष ने कहा– आज हम लोगों को बहुत मजा आया। सवेरे से हम लोग कई तरह के वाहनों पर चढ़े। कभी ऑटो पर तो कभी रेल पर फिर बस में और फिर टमटम पर। यश ने कहा चलती हुई रेलगाड़ी से पीछे की ओर भागते पेड़–पौधों और घरों को देखना बहुत अच्छा लग रहा था।

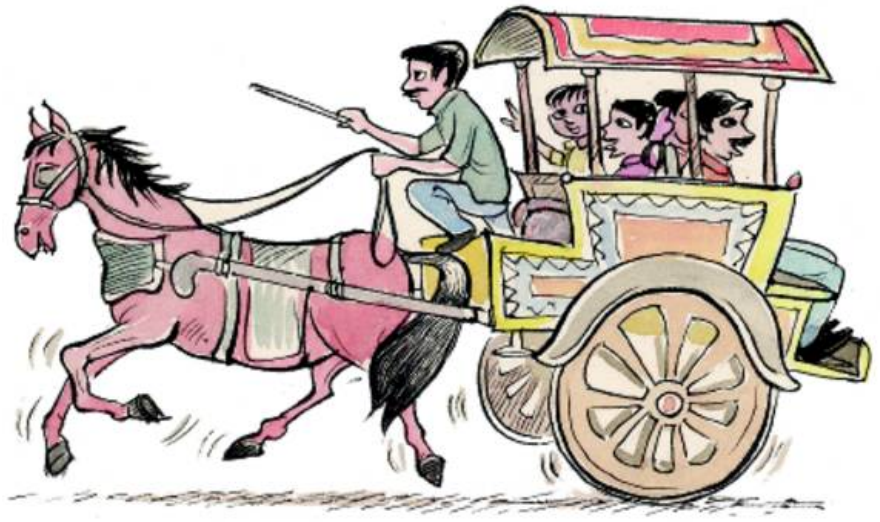

आयुष ने कहा– मुझे तो सबसे ज्यादा मज़ा टमटम पर आया। घोड़े की टप–टप और टमटम वाले की बोली दोनों अच्छी लग रही थी।

1- vkiu Hkh dHkh ;k=k dh gkxh\ crkb, vkiu dgk&lk&dgk rd dh ;k=k dh g

_____

_____

2- ;k=k ds nkjku vkiu dku&dku ls okguk dh lokjh dh

_____

_____

3- vkius vU; dkSu&dkSu ls okgu viuh ;k=k esa ns[ks gSa\ mu lHkh okguksa dh lwph cukb,A

____

____

4- bueas ls dkSu&ls okgu iVªksy vFkok Mhty ls pyrs gSa\

____

____

____

dkSu&lk okgu dgk¡\

बहुत सारे वाहन जमीन पर चलते हैं, तो कुछ वाहन पानी पर। कुछ वाहन आसमान में भी उड़ते नजर आते हैं।

5-¼i½ D;k vki crk ldrs gSa fd dkSu&ls okgu tehu ij pyrs gSa] dkSu&ls ikuh ij rFkk dkSu&dkSu ls gok esa mMrs gSa\

Ø-la-	tehu ij pyusokys okgu	ikuh ij pyusokys okgu	gok esa mM+usokys okgu

¼ii½ bl rkfydk esa vkidk ilUnhnk okgu dkSu&lk gS\ mlds ckjs esa pkj ykbusa fyf[k,] rFkk mldk fp= cukb,A

____

____

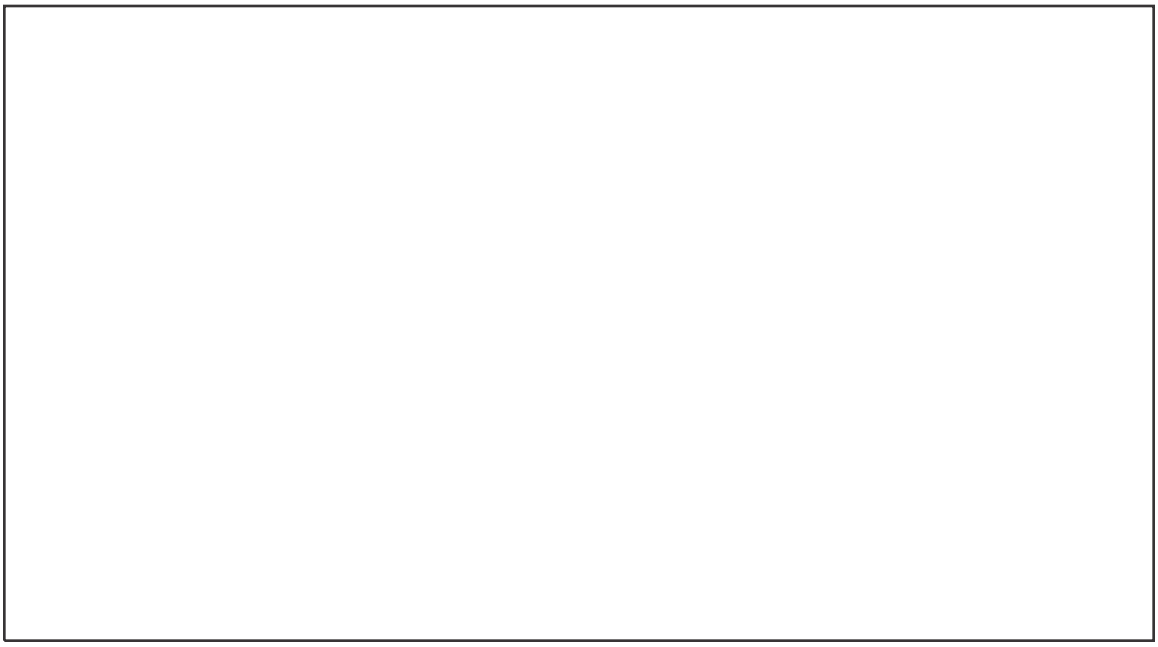

vkids ilnhnk okgu dk fp=

6- okgu gekjs vkokxeu ds lkFk&lkFk <ykbZ ds Hkh dke vkrs gSaA D;k vki crk ldrs gSa fd dkSu&dkSu ls okgu dk mi;ksx fdl&fdl dke esa gksrk gS\

Ø-l-	okgu dk uke	;k=k gsrq mi;ksxh	lkeku ykus o ys tkus ds fy,	;k=k ,oa lkeku ykus o ys tkus nksuksa ds fy,
1.	बरा			

7- feyku dhft,

रेलगाड़ी	आसमान
बस	पानी
हवाई जहाज	सड़क
नाव	पटरी

8- ;k=k esa yxus okys le; ds vk/kkj ij budks /kheh xfr ls rst xfr ds Øe esa fyf[k,&

पैदल, बैलगाड़ी, रेलगाड़ी, साइकिल, हवाई जहाज, बस

1. —————— 2. ———————— 3. ———————

4. —————— 5. ———————— 6. ———————

;krk;kr D;k \

यश और आयुष अपनी फुफेरी बहन खुशी और दादा–दादी के साथ शाम को घूमने निकले। दादी ने कहा– गाँव पहले की तुलना में बहुत बदल गया है। यहाँ भी शहरों की तरह लोगों की भीड़–भाड़ बढ़ गई है।

दादा बोले– सड़क के बनने से गाँव में काफी सुविधा हो गई है। प्याज के लिए ज्यादा बड़ा बाजार हो गया है। देखो, कितने सारे वाहन प्याज की ढुलाई में लगे हुए हैं। सभी लोग उस तरफ देखने लगे जहाँ ठेले, बैलगाड़ी, ट्रक एवं ट्रैक्टर लगे हुए थे, जिन पर प्याज की बोरियाँ लादी जा रही थीं।

खुशी ने कहा – इतने सामान को ढोने के लिए वाहन को बहुत ताकत की जरूरत होती होगी। आखिर वाहन में ताकत आती कहाँ से है?

आयुष बोला – कुछ वाहन पशुओं की ताकत से चलते हैं जबकि कुछ डीजल या पेट्रोल वाले ईंधन से। कुछ वाहनों को आदमी अपने से भी खींचता है।

9- vki crkb,] dkSu&ls okgu fdldh rkdr ls pyrs gS\

i'kqvksa ds }kjk pyus okys okgu	vkneh ds }kjk [khaps tkus okys okgu	bZ/ku ds }kjk pyus okys okgu

बातों–बातों में यश ने कहा कि वाहन के अनुसार उसके पहियों का आकार और बनावट भी अलग–अलग होती है।

खुशी बोली – कुछ वाहन के पहिये रबड़ के बने होते हैं तो कुछ वाहनों के पहिये लकड़ी के। रेलगाड़ी का पहिया तो लोहे का बना होता है।

10- vkius Hkh okguksa ds ifg;s dks ns[kk gksxkA crkb, fdl okgu dk ifg;k fdl pht+ dk cuk gksrk gS\

okgu dk uke ifg;k fdl pht+ dk cuk gS\

आयुष ने कहा– विभिन्न प्रकार के वाहनों में पहियों की संख्या अलग–अलग होती है।

11- D;k vki ifg;k dh l[;k d vk/kkj ij okguk d uke fy[k ldr g

nk ifg;k okgu	rhu ifg;k okgu	pkj ifg;k okgu	N ifg;k okgu	N ifg;k l vf/kd l[;k oky okgu

अंधेरा घिरने लगा था। सभी लोग घर की ओर लौटने लगे तभी यश ने पूछा, ''दादाजी पहिया इतनी आसानी से घुमता कैसे है?''

दादा बोले – इसे समझने के लिए चलो घर पर कुछ करते हैं। उन्होंने बच्चों को टेबुल पर रखी किताब को सरकाने के लिए कहा। फिर बोले अब किताब के नीचे दो पेंसिल डाल कर किताब को सरकाओ। सभी बच्चे ऐसा करने लगे। आप भी करके देखें और समझें कि किताब आसानी से सरक रही है या नहीं।

आयुष ने कहा – अब मैं समझ गया। पेंसिल गोल है इसलिए किताब आसानी से सरक रही है। अब मैं भी गोल–गोल पहियों वाली अपनी गाड़ी बनाता हूँ।

lkpdj dhft,&

12- ;fn ;krk;kr d lk/ku ugh gk rk D;k gksxk

_____

_____

13- D;k ;krk;kr ds lk/kuks ls ges dkbl uqdlku Hkh gkrk g\

____

____

14- viu s i lUnhnk okguk s d s fp=k dk bdVBk dhft, vkj uhp cus ckDl e fpidk,A

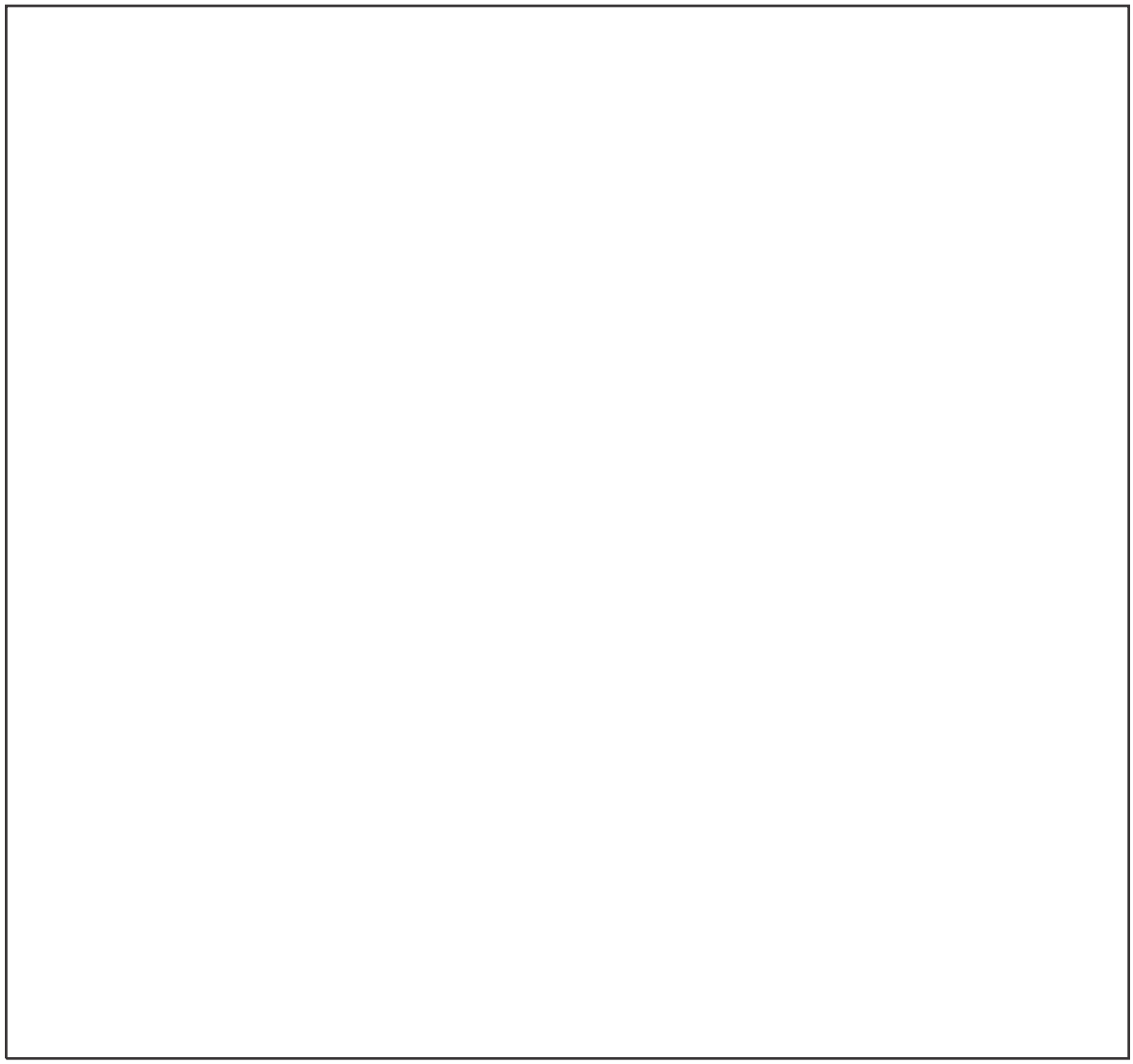

CCC